

## فَمَنْ أَظْلَمُ مِمَّنْ كَذَبَ عَلَى اللَّهِ وَكَذَبَ بِالصِّدْقِ

ફિર ઉસ સે ઝયાદા ઝાલિમ કૌન હોગા જો અલ્લાહ પર જૂઠ ઘડે ઓર સચ્ચાઈ કો જુઠલાએ

إِذْ جَاءَهُ ۖ أَلَيْسَ فِي جَهَنَّمَ مَثْوًى لِّلْكَافِرِينَ ﴿۳۲﴾ وَالَّذِي

જબ વો ઉસ કે પાસ પહોંચી? કયા જહન્નમ કાફિરો કે લિયે ઠિકાના નહીં? ઓર જો

جَاءَ بِالصِّدْقِ وَصَدَّقَ بِهِ ۖ أُولَٰئِكَ هُمُ الْمُتَّقُونَ ﴿۳۳﴾

સચ કો લે કર આયા ઓર ઉસ કી તસ્દીક કી તો વહી લોગ મુત્તકી હૈં.

لَهُمْ مَا يَشَاءُونَ ۖ عِنْدَ رَبِّهِمْ ۗ ذَٰلِكَ جَزَاؤُا الْمُحْسِنِينَ ﴿۳۴﴾

ઉન કે લિયે વો નેઅમતે હોંગી જો વો ચાહોંગે ઉન કે રબ કે પાસ. યે નેકી કરને વાલો કા બદલા હૈં.

لِيُكَفِّرَ اللَّهُ عَنْهُمْ أَسْوَأَ الَّذِي عَمِلُوا وَيَجْزِيَهُمْ أَجْرَهُمْ

તાકે અલ્લાહ ઉન સે ઉન કે બુરે આમાલ દૂર કર દે ઓર ઉન કો અચ્છે

بِأَحْسَنِ الَّذِي كَانُوا يَعْمَلُونَ ﴿۳۵﴾ أَلَيْسَ اللَّهُ بِكَافٍ عَبْدَهُ ۚ

આમાલ કા સવાબ દે. કયા અલ્લાહ અપને બન્દે કે લિયે કાફી નહીં હૈં?

وَيُؤَيِّدُونَكَ ۖ بِالَّذِينَ مِنْ دُونِهِ ۗ وَمَنْ يُضِلِلِ اللَّهُ فَمَا لَهُ

ઓર યે આપ કો ડરાતે હૈં ઉન માબૂદો સે જો અલ્લાહ કે અલાવા હૈં ઓર જિસ કો અલ્લાહ ગુમરાહ કર દે ઉસ કે લિયે કોઈ

مِنْ هَادٍ ﴿۳۶﴾ وَمَنْ يَهْدِ اللَّهُ فَمَا لَهُ مِنْ مُّضِلٍّ ۗ أَلَيْسَ

હિદાયત દેને વાલા નહીં. ઓર જિસ કો અલ્લાહ હિદાયત દે ઉસ કે લિયે કોઈ ગુમરાહ કરને વાલા નહીં. કયા

اللَّهُ بِعَزِيزٍ ذِي انْتِقَامٍ ﴿۳۷﴾ وَلَٰئِن سَأَلْتَهُمْ مَّنْ خَلَقَ

અલ્લાહ ઝબરદસ્ત, ઈન્તિકામ લેને વાલા નહીં હૈં? ઓર અગર આપ ઉન સે પૂછોંગે કે કિસ ને આસ્માનો

السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ لَيَقُولُنَّ اللَّهُ ۗ قُلْ أَفَرَأَيْتُمْ مَا تَدْعُونَ

ઓર ઝમીન કો પૈદા કિયા, તો ઝરર કહોંગે કે અલ્લાહ ને. આપ ફરમા દીજિયે કયા ફિર તુમ ને દોબા ઉન કો જિન કો તુમ પુકારતે હો

مِنْ دُونِ اللَّهِ ۚ إِنْ أَرَادَنِيَ اللَّهُ بِضُرٍّ هَلْ هُنَّ كَاشِفَاتُ

અલ્લાહ કે અલાવા અગર અલ્લાહ મુજે ઝરર પહોંચાને કા ઈરાદા કરે તો કયા વો અલ્લાહ કે ઝરર કો દૂર

ضُرِّيَّ أَوْ أَرَادَنِيَ بِرَحْمَةٍ هَلْ هُنَّ مُمْسِكَتُ رَحْمَتَهُ ۗ

કર સકતે હૈં યા અલ્લાહ મુજ પર મેહરબાની કા ઈરાદા કરે તો કયા વો અલ્લાહ કી રહમત કો રોક સકતે હૈં?

قُلْ حَسْبِيَ اللَّهُ ۗ عَلَيْهِ يَتَوَكَّلُ الْمُتَوَكِّلُونَ ﴿۳۸﴾ قُلْ يَقَوْمُ

આપ ફરમા દીજિયે કે અલ્લાહ મુજે કાફી હૈં. ઓર ઉસી પર તવક્કુલ કરને વાલે તવક્કુલ કરતે હૈં. આપ ફરમા દીજિયે એ મેરી કોમ!

اعْمَلُوا عَلَىٰ مَكَانَتِكُمْ إِنِّي عَامِلٌ ۖ فَسَوْفَ تَعْلَمُونَ ﴿۳۱﴾ مَنْ

तुम अपनी जगह अमल करते रहो, मैं भी अमल कर रहा हूँ फिर अनकरीब तुम्हें मालूम हो जाएगा, के किस

يَأْتِيهِ عَذَابٌ يُخْزِيهِ وَيَحِلُّ عَلَيْهِ عَذَابٌ مُّقِيمٌ ﴿۳۲﴾ إِنَّا

पर ऐसा अजाब आता है जो उसे रुखा कर देगा और किस पर दार्दभी अजाब उतरता है? यकीनन हम

أَنْزَلْنَا عَلَيْكَ الْكِتَابَ لِلنَّاسِ بِالْحَقِّ ۖ فَمَنِ اهْتَدَىٰ

ने आप पर ये किताब उतारी ई-सानों के लिये उक के साथ. फिर जो उिदायत पायेगा तो अपनी जात

فَلِنَفْسِهِ ۖ وَمَنْ ضَلَّ فَإِنَّمَا يَضِلُّ عَلَيْهَا ۖ وَمَا أَنْتَ

के नके के लिये. और जो गुमराड होगा तो उसी पर गुमराडी का वबाल पडेगा. और आप

عَلَيْهِمْ بِوَكِيلٍ ﴿۳۳﴾ اللَّهُ يَتَوَفَّى الْأَنْفُسَ حِينَ مَوْتِهَا

उन पर मुसल्लत नहीं है. अल्लाड डर जानदार की जान निकालता है उस के मरने के वक्त,

وَالَّتِي لَمْ تَمُتْ فِي مَنَامِهَا ۖ فَيُمْسِكُ الَّتِي قَضَىٰ عَلَيْهَا

और उस की भी जो सोने की डलात में नहीं मरा. फिर अल्लाड रोक लेता है उस को जिस पर मौत का डैसला

الْمَوْتِ وَيُرْسِلُ الْآخَرَىٰ إِلَىٰ أَجَلٍ مُّسَمًّى ۚ إِنَّ فِي ذَٰلِكَ

कर देता है और दूसरी को छोड देता है अक वक्ते मुकररा तक के लिये. यकीनन उस में

لَايَةٍ لِّقَوْمٍ يَتَفَكَّرُونَ ﴿۳۴﴾ أَمْ اتَّخَذُوا مِنْ دُونِ اللَّهِ

निशानियां हैं ऐसी कौम के लिये जो सोयती है. क्या उन-छों ने अल्लाड के अलावा सिफारिशी बना

شُعَاعًا ۚ قُلْ أُولَٰئِكَ كَانُوا لَّا يَمْلِكُونَ شَيْئًا وَلَا يَعْقِلُونَ ﴿۳۵﴾

लिये हैं? आप डरमा दीजिये के क्या अगरये वो किसी चीज के भी मालिक न हो और कुछ भी अकल न रभते हो?

قُلْ لِلَّهِ الشَّفَاعَةُ جَمِيعًا ۚ لَهُ مُلْكُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ

आप डरमा दीजिये के अल्लाड ही के लिये सारी सिफारिश है. उसी के लिये आस्मानो और जमीन की सल्लनत है.

ثُمَّ إِلَيْهِ تَرْجَعُونَ ﴿۳۶﴾ وَإِذَا ذُكِرَ اللَّهُ وَحْدَهُ اشْتَدَّتْ

फिर उसी की तरफ तुम लौटाये जाओगे. और जब तन्हा अल्लाड का जिक्र किया जाता है तो उन लोगों

قُلُوبُ الَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ بِالْآخِرَةِ ۖ وَإِذَا ذُكِرَ الَّذِينَ

के दिल सुकड जाते हैं जो आभिरत पर ईमान नहीं रभते. और जब उन का जिक्र किया जाता है

مِنْ دُونِهِ إِذَا هُمْ يَسْتَبْشِرُونَ ﴿۳۷﴾ قُلِ اللَّهُمَّ فَاطِرَ السَّمَوَاتِ

जो अल्लाड के अलावा है तो यकयक वो भुश हो जाते हैं आप डरमा दीजिये के अल्लाड! अ आस्मानो और जमीन

وَالْأَرْضِ عِلْمَ الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ أَنْتَ تَحْكُمُ بَيْنَ

के पैदा करने वाले! अे मफ़ी और आखिर के जानने वाले! तू ही अपने बन्दों के दरमियान फैसला

عِبَادِكَ فِي مَا كَانُوا فِيهِ يَخْتَلِفُونَ ﴿۳۶﴾ وَلَوْ أَنَّ لِلَّذِينَ

करेगा जिस में वो धिखिलाफ़ कर रहे थे. और अगर उन आदिमों के

ظَلَمُوا مَا فِي الْأَرْضِ جَمِيعًا وَمِثْلَهُ مَعَهُ لَاقْتَدَرُوا بِهِ

पास वो सब छो ज़ोअमीन में है और उस के जैसा उस के साथ और भी छो (हुगना) तब भी उस को अजाब की मुसीबत

مِنْ سُوءِ الْعَذَابِ يَوْمَ الْقِيَامَةِ ۖ وَبَدَأَ لَهُمْ مِنَ اللَّهِ

से बयने के लिये कयामत के दिन फ़िदये में दे देंगे. और उन के सामने आखिर छोगा अल्लाह की तरफ़ से

مَا لَمْ يَكُونُوا يَحْتَسِبُونَ ﴿۳۷﴾ وَبَدَأَ لَهُمْ سَيِّئَاتُ

वो जिस का वो गुमान (अन्दाआ) भी नहीं करते थे. और उन के सामने अपने अमल की बुराईयां आखिर छो

مَا كَسَبُوا وَحَاقَ بِهِمْ مَا كَانُوا بِهِ يَسْتَهْزِءُونَ ﴿۳۸﴾ فَإِذَا مَسَّ

जाओगी और उन को घेर लेगा वो अजाब जिस का वो धिखिलाफ़ किया करते थे. फिर जब धिखिलान

الْإِنْسَانَ ضُرٌّ دَعَانَا ثُمَّ إِذَا خَوَّلْنَاهُ نِعْمَةً مِّنَّا قَالَ

को जरूर पड़ोयता है तो वो हमें पुकारता है. फिर जब हम उसे अपनी तरफ़ से नेअमत अता करते हैं तो क़ुलता है

إِنَّمَا أُوتِيْتُهُ عَلَىٰ عِلْمٍ ۖ بَلْ هِيَ فِتْنَةٌ وَلَكِنَّ أَكْثَرَهُمْ

के मुजे तो ये सिर्फ़ अपने हुनर की वजह से मिली है. बल्के ये आजाभाईश है, लेकिन उन में से अकसर

لَا يَعْلَمُونَ ﴿۳۹﴾ قَدْ قَالَهَا الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ فَمَا أَعْنَىٰ

जानते नहीं. यकीनन उस को उन लोगों ने भी कहा जो उन से पेडले थे, फिर उन के कुछ काम

عَنْهُمْ مَا كَانُوا يَكْسِبُونَ ﴿۴۰﴾ فَأَصَابَهُمْ سَيِّئَاتُ مَا كَسَبُوا ۖ

नहीं आया वो जो वो किया करते थे. फिर उन को उन के आमावे बद की मुसीबतें पड़ोयी.

وَالَّذِينَ ظَلَمُوا مِنْ هَؤُلَاءِ سَيُصِيبُهُمْ سَيِّئَاتُ مَا كَسَبُوا ۖ

और उन में से जो आदिम हैं उन्हें जल्द ही उन की बदअमली की सजा मिलेगी.

وَمَا هُمْ بِمُعْجِزِينَ ﴿۴۱﴾ أُولَٰئِكَ يَعْلَمُونَ أَنَّ اللَّهَ يَبْسُطُ الرِّزْقَ

और ये (भाग कर) अल्लाह को आजिल नहीं कर सकेंगे. कया ये जानते नहीं के अल्लाह रोज़ी कुशाद करता है जिस के लिये

لِبَنِّ يَشَاءُ وَيَقْدِرُ ۚ إِنَّ فِي ذَٰلِكَ لَآيَاتٍ لِّقَوْمٍ يُؤْمِنُونَ ﴿۴۲﴾

चाहता है और तंग करता है जिस के लिये चाहता है. यकीनन उस में निशानियां हैं ऐसी क़ैम के लिये जो धिमान वाती है.

قُلْ يُعْبَدِي الَّذِينَ أَسْرَفُوا عَلَىٰ أَنفُسِهِمْ لَا تَقْنَطُوا

आप इरमा हीजिये अे मेरे बन्दे जिन्दों ने अपनी जानों पर ज्यादती की है! तुम अल्लाह की रडमत से

مِنْ رَحْمَةِ اللَّهِ ۚ إِنَّ اللَّهَ يَغْفِرُ الذُّنُوبَ جَمِيعًا ۗ إِنَّهُ هُوَ

मायूस मत डो. यकीनन अल्लाह तमाम गुनाह बफ्श देगा. यकीनन वो बडोत ज्यादता

الْغَفُورُ الرَّحِيمُ ﴿۵۷﴾ وَأَنبِئُوا إِلَىٰ رَبِّكُمْ وَأَسْلِمُوا لَهُ

बफ्शने वाला, निडायत रडम वाला है. और सुजूस करो अपने रब की तरफ और उसी के ताबेदार बन कर रडो

مِنْ قَبْلِ أَنْ يَأْتِيَكُمُ الْعَذَابُ ثُمَّ لَا تُنصِرُونَ ﴿۵۸﴾ وَاتَّبِعُوا

उस से पेडले के तुम पर अजाब आ जाअे, फिर तुम्हारी नुस्रत न की जाअे. और सब से बेडतर कलाम की

أَحْسَنَ مَا أُنزِلَ إِلَيْكُمْ مِنْ رَبِّكُمْ مِنْ قَبْلِ أَنْ يَأْتِيَكُمُ

पैरवी करो जो तुम्हारे रब की तरफ से तुम्हारी तरफ उतारा गया है इस से पेडले के तुम पर

الْعَذَابُ بَعَثَةٌ وَأَنْتُمْ لَا تَشْعُرُونَ ﴿۵۹﴾ أَنْ تَقُولَ نَفْسٌ

अयानक अजाब आ जाअे और तुम्हें पता भी न डो. कहीं कोई शफ्स केडने लगे

يُحَسِّرُنِي عَلَىٰ مَا فَرَطْتُ فِي جَنْبِ اللَّهِ وَإِنْ كُنْتُ

डाय अइसोस उस कोताडी पर जो मैं ने अल्लाह के मुआमले में की और मैं मजाक करने वालों

لِمَنِ السُّخْرَيْنِ ﴿۶۰﴾ أَوْ تَقُولَ لَوْ أَنَّ اللَّهَ هَدَانِي لَكُنْتُ

में रेड गया. या वो यूं कडे के अगर अल्लाह मुजे डिदायत देता तो मैं मुत्कियों

مِنَ الْمُتَّقِينَ ﴿۶۱﴾ أَوْ تَقُولَ حِينَ تَرَىٰ الْعَذَابَ لَوْ أَنَّ لِي

में से बनता. या यूं कडे जब अजाब को देभे के अगर मेरे लिये दुन्या में पलट कर

كَرَّةً فَأَكُونُ مِنَ الْمُحْسِنِينَ ﴿۶۲﴾ بَلَىٰ قَدْ جَاءَتْكَ آيَاتِي

जाना डो तो मैं नेकी करने वालों में से बन जाडंगा. कयूं नडी! यकीनन तेरे पास मेरी आयतें आईं,

فَكَذَّبْتَ بِهَا وَاسْتَكْبَرْتَ وَكُنْتَ مِنَ الْكٰفِرِينَ ﴿۶۳﴾ وَيَوْمَ

फिर तू ने उन को जूठलाया और तू ने तकब्बुर किया और तू काफिरों में से था. और कयामत

الْقِيَامَةِ تَرَىٰ الَّذِينَ كَذَبُوا عَلَىٰ اللَّهِ وَجُوهُهُمْ مُسْوَدَّةٌ

के दिन आप देभोगे जिन्दों ने अल्लाह पर जूठ बोला उन के येडरे सियाड डोंगे.

أَلَيْسَ فِي جَهَنَّمَ مَثْوًى لِّلْمُتَكَبِّرِينَ ﴿۶۴﴾ وَيُنَجِّي اللَّهُ الَّذِينَ

कया जडन्नम में तकब्बुर करने वालों के लिये ठिकाना नडी? और अल्लाह नजात देगा उन की



اتَّقُوا بِمَقَاتِرِهِمْ ۚ لَا يَيْسُهُمُ السُّوءُ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ ﴿۳۱﴾ اللَّهُ

काम्याबी के साथ उन को जो मुत्तकी है। उन को मुसीबत नहीं पड़ोयेगी और वो गमगीन नहीं होंगे। अल्लाह

خَالِقُ كُلِّ شَيْءٍ ۚ وَهُوَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ وَكِيلٌ ﴿۳۲﴾ لَهُ مَقَالِيدُ

उर चीज को पैदा करने वाला है। और वो हर चीज का कारसाज है। उसी के पास आस्मानों

السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۗ وَالَّذِينَ كَفَرُوا بِآيَاتِ اللَّهِ أُولَٰئِكَ

और जमीन की कुंजियां हैं। और जिन्होंने ने अल्लाह की आयात के साथ कुंज किया वो

هُمُ الْخٰسِرُونَ ۗ ﴿۳۳﴾ قُلْ أَفَعَيِّرَ اللَّهُ تَأْمُرُونِي أَعْبُدُ أَيُّهَا

भसारे वाले हैं। आप इरमा दीजिये क्या अल्लाह के अलावा के मुतअद्लिक तुम मुजे हुकुम देते हो के मैं उस की ईबाहत करूं,

الْجَاهِلُونَ ۗ ﴿۳۴﴾ وَلَقَدْ أُوحِيَ إِلَيْكَ وَإِلَى الَّذِينَ مِنْ قَبْلِكَ

अे ज़ाखिलो? यकीनन आप की तरफ और उन की तरफ जो आप से पेडले थे वही की गई।

لَئِنْ أَشْرَكَتَ لَيَجْبُطَنَّ عَمَلَكَ وَلَتَكُونَنَّ مِنَ الْخٰسِرِينَ ﴿۳۵﴾

के अगर तुम शिर्क करोगे तो तुम्हारा अमल उभत हो जायेगा और तुम भसारा उठाने वालों में से बन जाओगे।

بَلِ اللَّهِ فَاعْبُدْ وَكُنْ مِنَ الشَّاكِرِينَ ﴿۳۶﴾ وَمَا قَدَرُوا اللَّهَ

भल्के अल्लाह ही की तुम ईबाहत करो और शुक्रगुजारों में से रहो। और उनहों ने अल्लाह की कहर नहीं की

حَقَّ قَدْرَهُ ۗ وَالْأَرْضُ جَمِيعًا قَبْضَتُهُ يَوْمَ الْقِيٰمَةِ

जैसा के उस की कहर करने का उक है। और जमीन सारी की सारी उस की मुट्टी में होगी क्यामत के दिन और

وَالسَّمٰوٰتُ مَطْوِيٰتٌ بِيَمِينِهِ ۗ سُبْحٰنَهُ وَتَعٰلٰى عَمَّا يُشْرِكُوْنَ ﴿۳۷﴾

आस्मान लिपटे हुवे होंगे उस के दाअे उध मे अल्लाह पाक है और भरतर है उन चीजों से जिन्हें वो शरीक ठहराते हैं।

وَنُفِخَ فِي الصُّورِ فَصَعِقَ مَنْ فِي السَّمٰوٰتِ وَمَنْ

और सूर झूका जायेगा, फिर भेडोश हो जायेंगे वो जो आस्मानों में हैं और जो

فِي الْأَرْضِ إِلَّا مَنْ شَاءَ اللَّهُ ۗ ثُمَّ نُفِخَ فِيهِ أُخْرٰى فَاِذَا هُمْ

जमीन में हैं मगर जिन को अल्लाह चाडे। फिर दूसरी भरतभा सूर झूका जायेगा तो झैरन ही वो भडे हो

قِيٰمٌ يَنْظُرُونَ ﴿۳۸﴾ وَأَشْرَقَتِ الْأَرْضُ بِنُورِ رَبِّهَا وَوُضِعَ

जायेंगे, देभने लग जायेंगे। और जमीन रोशन हो जायेगी अपने रभ के नूर से और नामअे आमाल

الْكِتٰبُ وَجِآءَ بِالنَّبِيِّنَ وَالشَّهَدٰءِ وَقُضِيَ بَيْنَهُمْ

रभ दिया जायेगा, और अग्भिया और शुडदा को लाया जायेगा, और उन के दरमियान उक के साथ ईसला

بِالْحَقِّ وَهُمْ لَا يُظْلَمُونَ ﴿۲۹﴾ وَوَفَّيْتُ كُلَّ نَفْسٍ مَا عَمِلَتْ

किया जाएगा, और उन पर जुल्म नहीं किया जाएगा. और हर शप्स को पूरे पूरे मिलेगे वो अमल जो उस ने किये,

وَهُوَ أَعْلَمُ بِمَا يَفْعَلُونَ ﴿۳۰﴾ وَسِيقَ الَّذِينَ كَفَرُوا

और वो उन के अमल भूष जानता है. और काफ़िरो को डांका जाएगा जहन्नम की तरफ़

إِلَىٰ جَهَنَّمَ زُمَرًا ۖ حَتَّىٰ إِذَا جَاءُوهَا فَتَحَتْ أَبْوَابُهَا وَقَالَ

जमाअत दर जमाअत. यहां तक के जब वो उस के पास आयेगे तो उस के दरवाजे भोले जायेगे और उन से

لَهُمْ خَزَنَتُهَا أَلَمْ يَأْتِكُمْ رُسُلٌ مِّنكُمْ يَتْلُونَ عَلَيْكُمْ

उस के मुडाक़िज़ इरिशते पूछेगे क्या तुम्हारे पास तुम में से पैगम्बर नहीं आये थे जो तुम पर तुम्हारे रब की

آيَاتِ رَبِّكُمْ وَيُنذِرُونَكُمْ لِقَاءَ يَوْمِكُمْ هَٰذَا قَالُوا

आयते तिलावत करते और तुम्हें डराते थे तुम्हारे इस दिन की मुलाकात से? वो कहेंगे

بَلَىٰ وَلَكِنْ حَقَّتْ كَلِمَةُ الْعَذَابِ عَلَىٰ الْكَافِرِينَ ﴿۳۱﴾

क्यूं नहीं! लेकिन काफ़िरो पर अजाब का कलिमा साबित हो गया.

قِيلَ ادْخُلُوا أَبْوَابَ جَهَنَّمَ خَالِدِينَ فِيهَا ۖ فَبُئْسَ

कहा जाएगा के तुम जहन्नम के दरवाजों में दाभिल हो जाओ उस में उमेशा रेडने के लिये. फिर ये

مَثْوَىٰ الْمُتَكَبِّرِينَ ﴿۳۲﴾ وَسِيقَ الَّذِينَ اتَّقَوْا رَبَّهُمْ

तकम्बर करने वालो का भुरा ठिकाना है. और जो अपने रब से डरते रहे उन को लाया जाएगा जन्नत की तरफ़ जमाअत

إِلَىٰ الْجَنَّةِ زُمَرًا ۖ حَتَّىٰ إِذَا جَاءُوهَا وَفُتِحَتْ أَبْوَابُهَا وَقَالَ لَهُمْ

दर जमाअत. यहां तक के जब वो उस के पास आयेगे इस डाल में के उस के दरवाजे भुले हुवे डोंगे, और उस के

خَزَنَتُهَا سَلَامٌ عَلَيْكُمْ طِبْتُمْ فَادْخُلُوهَا خَالِدِينَ ﴿۳۳﴾

मुडाक़िज़ इरिशते उन से कहेंगे के तुम पर सलामती हो, तुम अच्छे रहे, फिर तुम उस में उमेशा के लिये दाभिल हो जाओ.

وَقَالُوا الْحَمْدُ لِلَّهِ الَّذِي صَدَقْنَا وَعَدَاةَ ۖ وَأَوْرَثَنَا

और वो कहेंगे के तमाम तारीकें उस अद्लाड के लिये हैं जिस ने हम से अपना वादा सच कर दिभाया और उस ने हमें इस जमीन

الْأَرْضِ نَتَّبِعُوا مِنَ الْجَنَّةِ حَيْثُ نَشَاءُ ۖ فَنِعْمَ أَجْرُ

का वारिस बनाया के हम जन्नत में रहे जहां हम याहें. फिर ये अमल करने वालो का

الْعَمَلِينَ ﴿۳۴﴾ وَتَرَىٰ الْمَلَائِكَةَ حَاقِقِينَ مِن حَوْلِ

किन्ना अच्छा भदला है! और तुम इरिशतों को देभोगे के सफ़ बांधे हुवे डोंगे अर्श के यारों

الْعَرْشِ يُسَبِّحُونَ بِحَمْدِ رَبِّهِمْ ۖ وَقَضَىٰ بَيْنَهُمْ

तरफ़, वो अपने रब की उम्ह के साथ तस्बीह कर रहे होंगे. और लोगों के दरमियान उक के मुताबिक

بِالْحَقِّ وَقِيلَ الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ ۝

कैसला किया जायेगा, और कडा जायेगा तमाम तारीक़े अल्लाह रब्बुल आलमीन के लिये हैं.

۸۵ آيَاتُهَا (۴۰) سُورَةُ الْبَقَرَةِ مَكِّيَّةٌ (۱۰) رُكُوعَاتُهَا ۹

और ८ रुकूअ हैं सूराये मोमिन मक्का में नाजिल हुई इस में ८५ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

حَمًّا تَنْزِيلُ الْكِتَابِ مِنَ اللَّهِ الْعَزِيزِ الْعَلِيمِ ۝

डा भीम. इस किताब का उतारा जाना जबरदस्त, ईल्म वाले अल्लाह की तरफ़ से है.

عَافِرِ الذَّنْبِ وَقَابِلِ التَّوْبِ شَدِيدِ الْعِقَابِ ذِي

जो गुनाहों को बप्शने वाला और तौबा कबूल करने वाला, सप्त सजा देने वाला, कुदरत

الطَّوْلِ ۚ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ ۖ إِلَيْهِ الْمَصِيرُ ۝ مَا يُجَادِلُ

वाला है. उस के सिवा कोई माबूह नहीं. उसी की तरफ़ लौटना है. अल्लाह की आयात में जघडा

فِي آيَاتِ اللَّهِ إِلَّا الَّذِينَ كَفَرُوا فَلَا يَغْرُرُكَ تَقَلُّبُهُمْ

नहीं करते मगर वो जिन्हों ने कुफ़ किया, इस लिये उन का मुल्कों में आना जाना आप को

فِي الْبِلَادِ ۚ كَذَّبَتْ قَبْلَهُمْ قَوْمُ نُوحٍ وَالْأَحْرَابُ

धोके में न डाले. उन से पेडले जुठलाया कौमे नूड ने और उन के बाह्र आने वाले

مِنْ بَعْدِهِمْ ۚ وَهَبَّتْ كُلُّ أُمَّةٍ بِرَسُولِهِمْ لِيَأْخُذُوهُ

गिरोहों ने. और हर उम्मत ने अपने रसूल के साथ ईरादा किया के उस को पकड लें,

وَجَدَلُوا بِالْبَاطِلِ لِيُدْحِضُوا بِهِ الْحَقَّ فَأَخَذْتُهُمْ ۚ

और उन्हों ने बातिल के जरिये जघडा किया ताके उस के जरिये उक को मिटा दे, फिर मैं ने उन को पकड लिया.

فَكَيْفَ كَانَ عِقَابِ ۝ وَكَذَلِكَ حَقَّتْ كَلِمَتُ رَبِّكَ

फ़िर मेरी सजा कैसी रही? और इसी तरह तेरे रब के कलिमात

عَلَى الَّذِينَ كَفَرُوا أَنَّهُمْ أَصْحَابُ النَّارِ ۗ الَّذِينَ يَحْمِلُونَ

काफ़िरो पर साबित हो गये के वो होजभी हैं. वो इरिशते जो अर्श को उठाये

۱۰۰

۱۰۰

الْعَرْشِ وَمَنْ حَوْلَهُ يُسَبِّحُونَ بِحَمْدِ رَبِّهِمْ وَيُؤْمِنُونَ

हुवे हैं और जो उस के धरु गिर्द हैं वो अपने रब की उम्द के साथ तस्बीह करते हैं और उस पर धिमान रभते

بِهِ وَيَسْتَغْفِرُونَ لِلَّذِينَ آمَنُوا رَبَّنَا وَسِعْتَ كُلَّ شَيْءٍ

हैं और धिमान वलों के लिये भगकिरत तलभ करते हैं. अे उमारे रभ! तेरी रहुमत और तेरा धल्म

رَحْمَةً وَعِلْمًا فَاغْفِرْ لِلَّذِينَ تَابُوا وَاتَّبَعُوا سَبِيلَكَ

उर थील पर डवी है, तो तू भगकिरत कर दे उन की जिन्डों ने तौबा की और तेरा रास्ता अपनाया

وَقِهِمْ عَذَابَ الْجَحِيمِ ۝ رَبَّنَا وَأَدْخِلْهُمْ جَنَّاتٍ عَدْنٍ

और उन को दोलभ के अलभ से तू भया ले. अे उमारे रभ! और तू उन को जन्नाते अहन में दलभिल कर दे

الَّتِي وَعَدْتَهُمْ وَمَنْ صَلَحَ مِنْ آبَائِهِمْ وَأَزْوَاجِهِمْ

जिस का तू ने उन से वलद किया है, और उन को भी जो ललरुड हों उन के भलप दलद और उन की भीवियों

وَدَّرَّيْتَهُمْ ۖ إِنَّكَ أَنْتَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ۝ وَقِهِمُ السَّيِّئَاتِ

और उन की औललद में से. यकीनन तू लभरदस्त है, डिकमत वलल है. और तू उन को भुरलरुथों से भया ले.

وَمَنْ تَقِ السَّيِّئَاتِ يَوْمَئِذٍ فَقَدْ رَحِمْتَهُ ۖ وَذَلِكَ هُوَ

और जिस को तू भुरलरुथों से भया लेगा उस दिन यकीनन तू ने उस पर रहुम किया. और ये लभारी

الْفَوْزُ الْعَظِيمُ ۝ إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا يُبَادُونَ لَمَقْتُ اللَّهِ

कलभ्याभी है. यकीनन वो लोग जो कलकिर हैं उन के लिये अैललन डोगल के अल्ललड कल गुस्सल

أَكْبَرُ مِنْ مَقْتِكُمْ أَنْفُسِكُمْ إِذْ تُدْعَوْنَ إِلَى الْإِيمَانِ

तुम्हारे अपनी जलनों पर गुस्से से लयलद भडल है जब के तुम्हें भुललया जलतल थल धिमान की तररु,

فَتَكْفُرُونَ ۝ قَالُوا رَبَّنَا آمَنَّا أَشْنَتَيْنِ وَأَحْيَيْتَنَا

किर तुम कुरु करते थे. वो कडुगे अे उमारे रभ! तू ने उमें दो भरतभल भौत दी और तू ने दो भरतभल

أَشْنَتَيْنِ فَأَعْتَرَفْنَا بِذُنُوبِنَا فَهَلْ إِلَى خُرُوجٍ

उमें लिनदल किया, अब उम ने अपने गुनलडों कल अैतेरलरु कर लियल, किर कयल निकलने कल कोरु

مِّن سَبِيلٍ ۝ ذَلِكُمْ بِأَنَّهُ إِذَا دُعِيَ اللَّهُ وَحْدَهُ كَفَرْتُمْ ۚ

रास्ता है? ये धस वजड से के जब तुम्हारे सामने यकतल अल्ललड को पुकलरल जलतल थल तो तुम कुरु करते थे.

وَإِنْ يَشْرِكْ بِهِ تَأْمِنُوا ۖ فَالْحُكْمُ لِلَّهِ الْعَلِيِّ الْكَبِيرِ ۝

और अगर उस के साथ शिरु किया जलतल तो तुम भलन लेते थे. किर डुकुमत भरतर भुलनद अल्ललड डी के लिये है.

هُوَ الَّذِي يُرِيكُمُ آيَاتِهِ وَيُنزِلُ لَكُمْ مِنَ السَّمَاءِ رِزْقًا ۗ

वो तुम्हें अपनी निशानियां दिखाता है और तुम्हारे लिये आस्मान से रोजी उतारता है।

وَمَا يَتَذَكَّرُ إِلَّا مَنْ يُنِيبُ ۗ فَادْعُوا اللَّهَ مُخْلِصِينَ

और नसीहत छसिल नही करते मगर जो रूजूअ ँलल्लाह करते हैं तो तुम अल्लाह को पुकारो, उसी के लिये

لَهُ الدِّينَ وَلَوْ كَرِهَ الْكَافِرُونَ ۗ رَفِيعُ الدَّرَجَاتِ

ँबाहत ढालिस करते हुवे अगरये काफिर नापसन्द करें. वो दरजात बुलन्द करने वाला है,

ذُو الْعَرْشِ ۗ يُلْقَى الرُّوحَ مِنْ أَمْرِهِ عَلَى مَنْ يَشَاءُ

अर्श वाला है. वो रुह ढालता है अपने अम्र से जिस पर याहता है

مِنْ عِبَادِهِ لِيُنذِرَ يَوْمَ التَّلَاقِ ۗ يَوْمَ هُمْ بَدْرُؤُونَ ۗ

अपने बन्दों में से ताके मुलाकात के दिन से वो डराये. जिस दिन वो बाहर निकले हुवे होंगे.

لَا يَخْفَى عَلَى اللَّهِ مِنْهُمْ شَيْءٌ ۗ لِمَنِ الْمُلْكُ الْيَوْمَ ۗ

अल्लाह पर उन की कोई चीज मफ़ी नहीं. (अल्लाह इरमाओगे के) आज किस की सल्तनत है?

لِلَّهِ الْوَاحِدِ الْقَهَّارِ ۗ الْيَوْمَ تُجْزَى كُلُّ نَفْسٍ

(जवाब होगी) गालिब यकता अल्लाह ही की है. उस दिन हर शम्स को बढला दिया जाओगा उन आमाद का जो

بِمَا كَسَبَتْ ۗ لَا ظُلْمَ الْيَوْمَ ۗ إِنَّ اللَّهَ سَرِيعُ الْحِسَابِ ۗ

उस ने किये. आज किसी पर जुल्म नहीं होगा. यकीनन अल्लाह जल्द हिसाब लेने वाला है.

وَأَنْذَرَهُمْ يَوْمَ الْأَرْزَاقِ إِذِ الْقُلُوبُ لَدَى الْحَنَاجِرِ

और आप उन को कयामत के दिन से डराये जब हिल गले तक आ जाओगे, गम से घुट

كُظْمِينَ ۗ مَا لِلظَّالِمِينَ مِنْ حَمِيمٍ وَلَا شَفِيعٍ

रहे होंगे. आलिमों के लिये न कोई दोस्त होगा और न सिफ़ारिशी

يُطَاعُ ۗ يَعْلَمُ خَائِنَةَ الْأَعْيُنِ وَمَا تُخْفِي الصُّدُورُ ۗ

जिस की बात मानी जाये. वो जानता है आंभों की भयानत को और उसे जो सीने छुपाते हैं.

وَاللَّهُ يَقْضِي بِالْحَقِّ ۗ وَالَّذِينَ يَدْعُونَ مِنْ دُونِهِ

और अल्लाह हक के साथ इंसला करेगा. और वो जिन को ये पुकारते हैं अल्लाह के अलावा

لَا يَقْضُونَ بِشَيْءٍ ۗ إِنَّ اللَّهَ هُوَ السَّمِيعُ الْبَصِيرُ ۗ

वो किसी चीज का इंसला नहीं कर सकते. यकीनन अल्लाह सुनने वाला, देखने वाला है.

أَوَلَمْ يَسِيرُوا فِي الْأَرْضِ فَيَنْظُرُوا كَيْفَ كَانَ عَاقِبَةُ

क्या वो जमीन में चले नहीं के देखते के उन लोगों का अन्जाम

الَّذِينَ كَانُوا مِنْ قَبْلِهِمْ ۚ كَانُوا هُمْ أَشَدَّ مِنْهُمْ قُوَّةً

कैसा हुआ जो उन से पेटले थे? जो उन से भी ज्यादा कुव्वत वाले

وَ أَثَارًا فِي الْأَرْضِ فَأَخَذَهُمُ اللَّهُ بِذُنُوبِهِمْ ۚ وَمَا كَانَ

और जमीन में निशानात वाले थे, फिर अल्लाह ने उन को उन के गुनाहों की वजह से पकड़ लिया. और उन को

لَهُمْ مِنَ اللَّهِ مِنْ وَّاقٍ ۚ ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمْ كَانَتْ تَأْتِيهِمْ

अल्लाह से कोई बचाने वाला नहीं था. ये इस वजह से के उन के पास उन के पैगम्बर रोशन

رُسُلُهُمْ بِالْبَيِّنَاتِ فَكَفَرُوا فَأَخَذَهُمُ اللَّهُ ۚ إِنَّهُ قَوِيٌّ

मोअजिजात ले कर आये थे, तो उन्होंने ने कुफ़ किया, फिर अल्लाह ने उन को पकड़ लिया. यकीनन वो कुव्वत वाला,

شَدِيدٌ الْعِقَابِ ۚ وَلَقَدْ أَرْسَلْنَا مُوسَىٰ بِآيَاتِنَا

सप्त सजा देने वाला है. यकीनन हम ने मूसा (अलैहिस्सलाम) को अपने मोअजिजात

وَ سُلْطٰنٍ مُّبِينٍ ۚ إِلَىٰ فِرْعَوْنَ وَهَامَانَ وَقَارُونَ فَقَالُوا

और रोशन दलील दे कर भेजा. फिरऔन और हामान और कारून की तरफ़, तो उन्होंने ने कहा

سِحْرٌ كَذَّابٌ ۚ فَلَمَّا جَاءَهُمْ بِالْحَقِّ مِنْ عِنْدِنَا قَالُوا

के ये जादूगर है, जूठा है. फिर जब उन के पास वो हक ले कर आये हमारी तरफ़ से तो उन्होंने ने कहा

أَقْتُلُوا أَبْنَاءَ الَّذِينَ آمَنُوا مَعَهُ وَاسْتَحْيُوا نِسَاءَهُمْ ۚ

के कत्ल कर दो उन के बेटों को जो उन के साथ ईमान लाये हैं और उन की औरतों को ज़िन्दा रेहने दो.

وَمَا كَيْدُ الْكٰفِرِينَ إِلَّا فِي ضَلٰلٍ ۚ وَقَالَ فِرْعَوْنُ

और काफ़िरो का मकर तो जलालत ही का था. और फिरऔन ने कहा के

ذُرُونِي ۚ أَقْتُلْ مُوسَىٰ وَلْيَدْعُ رَبَّهُ ۚ إِنِّي أَخَافُ

तुम मुझे छोड दो के मैं मूसा को कत्ल कर दूँ, और उसे यादिये के वो अपने रब को पुकारे. मैं डरता हूँ

أَنْ يُبَدِّلَ دِينَكُمْ أَوْ أَنْ يُظْهِرَ فِي الْأَرْضِ الْفَسَادَ ۚ

कहीं वो तुम्हारा मजहब बदल दे या इस मुल्क में इसाह भरपा करे.

وَقَالَ مُوسَىٰ إِنِّي عُذْتُ بِرَبِّي وَرَبِّكُمْ مِنْ كُلِّ مُتَكَبِّرٍ

और मूसा (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया के मैंने पनाह ली है अपने रब और तुम्हारे रब की हर तक़्बुर करने वाले से

لَا يُؤْمِنُ بِيَوْمِ الْحِسَابِ ۚ وَقَالَ رَجُلٌ مُؤْمِنٌ ۖ

જો હિસાબ કે દિન પર ઈમાન નહીં રખતા. ઓર એક મોમિન મદ્ ને કહા

مَنْ أَلِ فِرْعَوْنَ يَكْتُمُ إِيمَانَهُ أَتَقْتُلُونَ رَجُلًا

આલે ફિરઓન મે સે જો અપના ઈમાન છુપા રહા થા, કયા તુમ કતલ કરતે હો એક શખ્સ કો ઈસ બિના પર

أَنْ يَقُولَ رَبِّيَ اللَّهُ وَقَدْ جَاءَكُمْ بِالْبَيِّنَاتِ مِنْ رَبِّكُمْ ۖ

કે વો કહેતા હૈ કે મેરા રબ અલ્લાહ હૈ, હાલાંકે વો તુમહારે પાસ રોશન મોઅજિઝાત તુમહારે રબ કી તરફ સે લે કર આયા હૈ?

وَإِنْ يَكُ كَاذِبًا فَعَلَيْهِ كَذِبُهُ ۖ وَإِنْ يَكُ صَادِقًا

ઓર અગર વો જૂઠા હૈ તો ઉસી પર ઉસ કે જૂઠ કા વબાલ પડેગા. ઓર અગર વો સચ્ચા હૈ

يُصِيبُكُمْ بَعْضُ الَّذِي يَعِدُكُمْ ۚ إِنَّ اللَّهَ لَا يَهْدِي مَنْ

તો તુમહે ઉસ અઝાબ કા કુછ હિસ્સા પહોચેગા જિસ સે વો તુમહે ડરા રહા હૈ. યકીનન અલ્લાહ ઉસ કો હિદાયત નહીં દેતે જો

هُوَ مُسْرِفٌ كَذَّابٌ ۚ يَقَوْمِ لَكُمْ الْمَلِكُ الْيَوْمَ

હદ સે બખ્તને વાલા, જૂઠા હૈ. એ મેરી કૌમ! તુમહારે લિયે આજ સલ્તનત હૈ,

ظَهْرَيْنَ فِي الْأَرْضِ ۚ فَمَنْ يَنْصُرُنَا مِنْ بَأْسِ اللَّهِ

તુમ ઈસ મુલક મેં ગાલિબ હો. ફિર કૌન હમારી નુસ્રત કરેગા અલ્લાહ કે અઝાબ સે

إِنْ جَاءَنَا ۚ قَالَ فِرْعَوْنُ مَا أُرِيكُمْ إِلَّا مَا أَرَىٰ

અગર હમારે પાસ અઝાબ આ જાએ? ફિરઓન ને કહા કે મૈ તુમહે નહીં દિખાતા મગર વહી જો મૈ દેખ રહા હું

وَمَا أَهْدِيكُمْ إِلَّا سَبِيلَ الرَّشَادِ ۚ وَقَالَ الَّذِي آمَنَ يَقَوْمِ

ઓર મૈ તુમહારી રહનુમાઈ કરતા હું ભલાઈ હી કે રાસ્તે કી તરફ. ઓર ઉસ શખ્સ ને કહા જો ઈમાન લાયા થા કે

إِنِّي أَخَافُ عَلَيْكُمْ مِثْلَ يَوْمِ الْأَحْزَابِ ۚ مِثْلَ دَابِ

એ મેરી કૌમ! મુજે ડર હૈ કે તુમ પર વૈસા હી દિન ન આ જાએ જેસા બહોત સે ગિરોહો પર આ ચુકા હૈ, કૌમે નૂહ ઓર

قَوْمِ نُوحٍ وَعَادٍ وَثَمُودَ وَالَّذِينَ مِنْ بَعْدِهِمْ ۚ

કૌમે આદ ઓર કૌમે સમૂદ ઓર ઉન કે બાદ વાલોં કે જેસે હાલ કા.

وَمَا اللَّهُ يُرِيدُ ظُلْمًا لِّلْعِبَادِ ۚ وَيَقَوْمِ إِنِّي أَخَافُ عَلَيْكُمْ

ઓર અલ્લાહ બન્દો પર ઝુલ્મ કા ઈરાદા ભી નહીં કરતે. ઓર એ મેરી કૌમ! મૈ તુમ પર એક દૂસરે કો પુકારને કે દિન

يَوْمَ النَّادِ ۚ يَوْمَ تُؤْلَوْنَ مُدْبِرِينَ ۖ مَا لَكُمْ مِنَ اللَّهِ

કા ખોફ કરતા હું. જિસ દિન તુમ પુશત ફેર કર ભાગોગે. તુમહારે લિયે અલ્લાહ સે કોઈ બચાને વાલા નહીં

مِنْ عَاصِمٍ ۚ وَمَنْ يُضْلِلِ اللَّهُ فَمَا لَهُ مِنْ هَادٍ ۝

डोगा. और जिस को अल्लाह गुमराह कर दे उसे कोई छिदायत देने वाला नहीं।

وَلَقَدْ جَاءَكُمْ يُوسُفُ مِنْ قَبْلِ بِالْبَيِّنَاتِ فَمَا زِلْتُمْ

और तउक्रीक के तुम्हारे पास यूसुफ़ (अलौहिस्सलाम) इस से पेउलेरोशन मोअजिअत ले कर आये, फिर तुम भराभर शक में

فِي شَكِّ مِمَّا جَاءَكُمْ بِهِ ۚ حَتَّىٰ إِذَا هَلَكَ قُلْتُمْ

रहे उस से जो तुम्हारे पास वो ले कर आये. यहां तक के जब वो वझत पा गये, तो तुम ने कडा

لَنْ يَبْعَثَ اللَّهُ مِنْ بَعْدِهِ رَسُولًا ۚ كَذَلِكَ يُضِلُّ اللَّهُ

अल्लाह उस के बाद किसी पैगम्बर को उरगिअ नही भेजेगा. इसी तरउ अल्लाह गुमराह करता है

مَنْ هُوَ مُسْرِفٌ مُرْتَابٍ ۝ الَّذِينَ يُجَادِلُونَ

उस को जो उद से बढने वाला, शक में पडा डोता है. उन लोगो को जो जघडा करते हैं

فِي آيَاتِ اللَّهِ بِغَيْرِ سُلْطَانٍ أَتَاهُمْ ۖ كَبُرَ مَقْتًا عِنْدَ اللَّهِ

अल्लाह की आयात में किसी दलील के बगैर जो उन के पास आई डो. ये जघडा अल्लाह और ईमान वालो के नउदीक बडोत डी

وَ عِنْدَ الَّذِينَ آمَنُوا ۚ كَذَلِكَ يَطْبَعُ اللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ قَلْبٍ

गुस्सा दहिलाने वाली थीउ है. इस तरउ अल्लाह उर तकभुर करने वाले आलिम के हिल पर मुडर

مُتَكَبِّرٍ جَبَّارٍ ۝ وَقَالَ فِرْعَوْنُ يَهْمُنُ ابْنُ بِنْتِ

लगा देते हैं. और फिरओन बोला के अे डामान! तू मेरे लिये अेक डीथी

صِرْحًا تَعْلَىٰ أَبْلُغِ الْأَسْبَابَ ۝ أَسْبَابَ السَّمَوَاتِ

ईभारत तामीर कर ताके में उन रास्तो तक पडोयूं. आस्मान के रास्तो तक,

فَأَطَّلِعَ إِلَىٰ إِلَهِ مُوسَىٰ وَإِنِّي لَأَظُنُّهُ كَاذِبًا ۚ وَكَذَلِكَ

फिर में मूसा के रभ को जंक कर देयूं, और यकीनन में उसे जूडा गुमान करता हुं. और इसी तरउ

زَيْنَ لِفِرْعَوْنَ سُوءُ عَمَلِهِ وَصَدَّ عَنِ السَّبِيلِ ۖ

फिरओन के लिये उस की बदअमली मुअय्यन की गई और उसे रास्ते से रोका गया.

وَمَا كَيْدُ فِرْعَوْنَ إِلَّا فِي تَبَابٍ ۝ وَقَالَ الَّذِي آمَنَ

और फिरओन का मकर नहीं था मगर तभाडी का. और उस शप्स ने कडा जो ईमान लाया था

يَقَوْمِ اتَّبِعُونِ أَهْدِيكُمْ سَبِيلَ الرَّشَادِ ۝ يَقَوْمِ إِنَّمَا

अे मेरी कौम! तुम मेरा ईत्तिबा करो, में तुम्हें नेकी के रास्ते की रडनुमाई करुंगा. अे मेरी कौम! ये दून्यवी



هَذِهِ الْحَيَاةُ الدُّنْيَا مَتَاعٌ وَإِنَّ الْآخِرَةَ هِيَ دَارٌ

जिन्दगी तो सिर्फ़ थोड़ा सा नफ़ा उठाना है. और यकीनन आभिरत वो हमेशा रहने का

الْقَرَارِ ٣٥ مَنْ عَمِلَ سَيِّئَةً فَلَا يُجْزَى إِلَّا مِثْلَهَا

घर है. जो बुरे अमल करेगा तो उसे बढला नहीं दिया जायेगा मगर उसी के बकदर.

وَمَنْ عَمِلَ صَالِحًا مِّنْ ذَكَرٍ أَوْ أُنْثَىٰ وَهُوَ مُؤْمِنٌ

और जो नेक अमल करे, मरदों में से हो या औरतों में से बशर्तके वो मोमिन हो,

فَأُولَٰئِكَ يَدْخُلُونَ الْجَنَّةَ يُرْرَقُونَ فِيهَا بِغَيْرِ

तो वो लोग जन्नत में दाखिल होंगे और उन को उस में बेहिसाब रोज़ी दी

حِسَابٍ ٣٦ وَيَقُومُ مَا لِي أَدْعُوكُمْ إِلَىٰ

जायेगी. और ओ मेरी कौम! मुझे क्या हुवा के मैं तुम्हें बुला रहा हूँ नज्मत

التَّجْوَةِ وَتَدْعُونَنِي إِلَى النَّارِ ٣٧ تَدْعُونَنِي لِأَكْفُرَ بِاللَّهِ

की तरफ़ और तुम मुझे बुला रहे हो आग की तरफ़. तुम मुझे बुलाते हो ताके मैं अल्लाह के साथ कुफ़ करूं

وَأَشْرِكُ بِهِ مَا لَيْسَ لِي بِهِ عِلْمٌ وَأَنَا أَدْعُوكُمْ

और मैं उस के साथ शरीक ठेहराऊँ ऐसी चीज़ जिस की मेरे पास कोई हकील नहीं. और मैं तुम्हें बुला रहा हूँ

إِلَى الْعَرْشِ الْعَظِيمِ ٣٨ لَا جَرَمَ أَنَّمَا تَدْعُونَنِي إِلَيْهِ

उपरहस्त, बडोत ज़यादा बपशने वाले अल्लाह की तरफ़. यकीनी भात है के तुम मुझे जिस की तरफ़ बुलाते हो

لَيْسَ لَهُ دَعْوَةٌ فِي الدُّنْيَا وَلَا فِي الْآخِرَةِ

उस की तरफ़ दावत नहीं दी जा सकती दुन्या में और न आभिरत में,

وَأَنَّ مَرَدَّنَا إِلَى اللَّهِ وَأَنَّ الْبُسْرَفِينَ هُمْ أَصْحَابُ النَّارِ ٣٩

और ये के हम सब को लौटना है अल्लाह की तरफ़ और ये के उद से आगे बढने वाले ही दोजभी हैं.

فَسَتَذْكُرُونَ مَا أَقُولُ لَكُمْ وَأَفَؤُصُ أَمْرِي

फ़िर अनकरीब तुम याद करोगे उस को जो मैं तुम से कह रहा हूँ. और मैं अपना मुआमला अल्लाह के

إِلَى اللَّهِ إِنَّ اللَّهَ بِصِيرٍ بِالْعِبَادِ ٤٠ فَوَقَّهُ اللَّهُ سَيِّئَاتِ

सुपुर्ह करता हूँ. यकीनन अल्लाह बन्दों को भूब देभ रहे हैं. फ़िर अल्लाह ने मुसा (अलैहिससलाम) को भया दिया

مَا مَكَرُوا وَحَاقَ بِآلِ فِرْعَوْنَ سُوءُ الْعَذَابِ ٤١

उन की बुरी तदबीरों से और आले फ़िरऔन को बुरे अज़ाब ने घेर दिया.

النَّارِ يُعْرَضُونَ عَلَيْهَا غُدُوًّا وَعَشِيًّا وَيَوْمَ تَقُومُ

आग पर उन्हें पेश किया जाता है सुबह व शाम. और जिस दिन कयामत

السَّاعَةِ ۖ أَدْخَلُوا آلَ فِرْعَوْنَ أَشَدَّ الْعَذَابِ ﴿۳۸﴾

काँधम होगी, (कड़ा जाएगा) आले फिरऔन को सप्त तरीन अजाब में दाखिल कर दो.

وَإِذْ يَتَحَاوُونَ فِي النَّارِ فَيَقُولُ الضُّعْفَاءُ لِلَّذِينَ

और जब वो आग में जघड रहे होंगे, फिर कमजोर लोग कहेंगे बडे बन कर

اسْتَكْبَرُوا إِنَّا كُنَّا لَكُمْ تَبَعًا فَهَلْ أَنْتُمْ مُّعْتَدُونَ

रेहने वालों से के यकीनन हम तो तुम्हारे पीछे चलने वाले थे, तो क्या तुम इस

عَنَّا نَصِيبًا مِنَ النَّارِ ﴿۳۹﴾ قَالَ الَّذِينَ اسْتَكْبَرُوا إِنَّا

आग का कुछ हिस्सा हम से उटा होगा? तो कहेंगे जो बडे बन कर रहे के हम

كُلٌّ فِيهَا ۖ إِنَّ اللَّهَ قَدْ حَكَمَ بَيْنَ الْعِبَادِ ﴿۴۰﴾ وَقَالَ

सब इसी आग में हैं. यकीनन अल्लाह ने बन्दों के दरमियान फैसला कर दिया है. और वो

الَّذِينَ فِي النَّارِ لِخِزْيَانَةِ جَهَنَّمَ ادْعُوا رَبَّكُمْ يُخَفِّفْ

लोग जो दोजाब में होंगे जहन्नम के इरिशतों से कहेंगे के तुम अपने रब से मांगो के अक दिन तो

عَنَّا يَوْمًا مِنَ الْعَذَابِ ﴿۴۱﴾ قَالُوا أَوْلَمْ تَكُ تَأْتِيكُمْ

अजाब हम से कुछ उल्का कर दे. वो कहेंगे क्या तुम्हारे पास तुम्हारे पैगम्बर रोशन

رُسُلُكُمْ بِالْبَيِّنَاتِ ۖ قَالُوا بَلَىٰ ۖ قَالُوا فَادْعُوا

भोअजिजात ले कर नहीं आये थे? वो कहेंगे कयूं नहीं. वो इरिशते कहेंगे फिर तुम पुकारते रहो.

وَمَا دُعَاؤُ الْكٰفِرِينَ إِلَّا فِي ضَلٰلٍ ﴿۴۲﴾ إِنَّا لَنَنْصُرُ رُسُلَنَا

और काफ़िरो की दूआ मज्जल बेअसर है. हम मदद करते हैं अपने पैगम्बरों की

وَ الَّذِينَ آمَنُوا فِي الْحَيٰوةِ الدُّنْيَا وَيَوْمَ يَقُومُ اْلأَشْهَادُ ﴿۴۳﴾

और उन की जो ईमान लाये, दुन्यवी जिन्दगी में भी और उस दिन भी जिस दिन गवाह बडे होंगे.

يَوْمَ لَا يَنْفَعُ الظَّالِمِينَ مَعذِرَتُهُمْ وَلَهُمُ اللّعنةُ

जिस दिन जालिमों को उन की माजिरत नफ़ा नहीं देगी और उन के लिये लानत है

وَلَهُمْ سُوءُ الدَّارِ ﴿۴۴﴾ وَلَقَدْ آتَيْنَا مُوسَى الْهُدٰى

और उन के लिये भुरा घर है. यकीनन हम ने मूसा (अलैहिस्सलाम) को हिदायत दी

۵۴

وَأَوْرَثْنَا بَنِي إِسْرَائِيلَ الْكِتَابَ ۖ هُدًى

और बनी इस्राएल को किताब दी. जो हिदायत है

وَذِكْرَىٰ لَأُولِي الْأَلْبَابِ ۖ فَاصْبِرْ إِنَّ وَعْدَ اللَّهِ حَقٌّ

और नसीहत है अकल वालों के लिये. इस लिये आप सभ्र कीजिये, यकीनन अल्लाह का वादा सय्या है

وَأَسْتَغْفِرُ لِدُنُوبِكَ وَسَبِّحْ بِحَمْدِ رَبِّكَ بِالْعَشِيِّ

और अपने गुनाहों के लिये इस्तिगफ़ार करते रहिये और अपने रब की उम्ह के साथ सुबह व शाम

وَ الْإِبْكَارِ ۖ إِنَّ الَّذِينَ يُجَادِلُونَ فِي آيَاتِ اللَّهِ بِغَيْرِ

तस्बीह कीजिये. जो लोग अल्लाह की आयात में जघडा करते हैं किसी हलील

سُلْطَنٍ أَنَّهُمْ ۖ إِن فِي صُدُورِهِمْ إِلَّا كِبْرٌ مَّا هُمْ

के भगैर जो उन के पास आँ छे, उन के सीनों में सिवाये तक़्बुर के कुछ भी नहीं है, जिस को वो पछोयने

بِالْغَيْبِ ۖ فَاسْتَعِذْ بِاللَّهِ ۗ إِنَّهُ هُوَ السَّمِيعُ الْبَصِيرُ ۖ

वाले नहीं. इस लिये आप अल्लाह की पनाह तलब कीजिये. यकीनन वो सुनने वाला, देखने वाला है.

لَخَلْقِ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ أَكْبَرُ مِنْ خَلْقِ النَّاسِ

अलबत्ता आस्मानों और जमीन का पैदा करना ये जयादा बडा है इन्सानों के पैदा करने से,

وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ۖ وَمَا يَسْتَوِي الْأَعْمَىٰ

लेकिन अकसर लोग जानते नहीं. और अन्धा और देखने वाला बराबर नहीं

وَالْبَصِيرَةَ وَالَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ وَلَا السُّعْيَةُ

छे सकते. और जो लोग इमान लाये और नेक अमल करते रहे वो और बहकार बराबर नहीं छे सकते.

قَلِيلًا مَّا تَتَذَكَّرُونَ ۖ إِنَّ السَّاعَةَ لَأْتِيَةٌ

बछोट कम तुम नसीहत छसिल करते छे. कयामत जरूर आने वाली छी है

لَا رَيْبَ فِيهَا وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا يُؤْمِنُونَ ۖ

जिस में कोई शक नहीं, लेकिन लोगों में से अकसर इमान नहीं लाते.

وَقَالَ رَبُّكُمْ ادْعُونِي أَسْتَجِبْ لَكُمْ إِنَّ الَّذِينَ

और तेरे रब ने कछा के तुम मुज से मांगो, मैं तुम्हारी हुआ कबूल कइंगा. जो

يَسْتَكْبِرُونَ عَنْ عِبَادَتِي سَيَدْخُلُونَ جَهَنَّمَ دُخْرِيًّا ۖ

मेरी इबाहत से तक़्बुर करते हैं, अनकरीब वो जहन्नम में जलील छे कर दाभिल छोंगे.

اللَّهُ الَّذِي جَعَلَ لَكُمْ اللَّيْلَ لِتَسْكُنُوا فِيهِ وَالنَّهَارَ

अवलाह ही है जिस ने तुम्हारे लिये रात बनाई ताके तुम उस में सुकून हासिल करो और दिन

مُبْصِرًا ۚ إِنَّ اللَّهَ لَذُو فَضْلٍ عَلَى النَّاسِ وَلَكِنَّ أَكْثَرَ

रोशन बनाया. यकीनन अवलाह ई-सानों पर इजल वाला है, लेकिन अकसर

النَّاسِ لَا يَشْكُرُونَ ﴿۲۱﴾ ذِكْرُ اللَّهِ رَبِّكُمْ خَالِقِ كُلِّ

लोग शुक अदा नहीं करते. वही अवलाह तुम्हारा रब है, जो हर चीज का पैदा करने

شَيْءٍ ۚ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ ۚ فَآلِي تُوَفَّكُونَ ﴿۲۲﴾ كَذَلِكَ

वाला है. उस के सिवा कोई माबूह नहीं. फिर तुम कहां लौटाये जा रहे हो? इसी तरह

يُؤْفَكُ الَّذِينَ كَانُوا بِآيَاتِ اللَّهِ يَجْحَدُونَ ﴿۲۳﴾ اللَّهُ

लौटाया गया उन लोगों को भी जो अवलाह की आयात का ई-कार करते थे. अवलाह

الَّذِي جَعَلَ لَكُمْ الْأَرْضَ قَرَارًا وَالسَّمَاءَ بِنَاءً

ही है जिस ने तुम्हारे लिये जमीन को ठेकरने की जगा और आस्मान को छत बनाया

وَصَوَّرَكُمْ فَأَحْسَنَ صُورَكُمْ وَرَزَقَكُمْ مِنَ الطَّيِّبَاتِ ۗ

और तुम्हारी सूरतें बनाई, फिर तुम्हारी सूरतें बढोत अखी बनाई और तुम्हें पाकीजा चीजें खाने को दीं.

ذِكْرُ اللَّهِ رَبِّكُمْ ۚ فَتَبَرَكَ اللَّهُ رَبُّ الْعَالَمِينَ ﴿۲۴﴾ هُوَ

यही अवलाह तुम्हारा रब है. फिर अवलाह बाबरकत है जो तमाम जहानों का रब है. वही

الْحَيُّ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ فَادْعُوهُ مُخْلِصِينَ لَهُ الدِّينَ ۗ

जिन्दा है, उस के सिवा कोई माबूह नहीं, फिर तुम उसी को पुकारो उसी के लिये ईबाहत को खालिस करते हुवे.

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ ﴿۲۵﴾ قُلْ إِنِّي نُهِيتُ أَنْ أَعْبُدَ

तमाम तारीफे अवलाह रब्बुल आलमीन के लिये हूँ. आप इरमा दीजिये के मुझे इस से मना किया गया है के मैं ईबाहत करूँ

الَّذِينَ تَدْعُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ لَمَّا جَاءَنِيَ الْبَيِّنَاتُ

उन की जिन को तुम पुकारते हो अवलाह के सिवा जब के मेरे पास रोशन आयते पछेयी मेरे रब की तरफ से.

مِنْ رَبِّي ۚ وَأُمِرْتُ أَنْ أُسَلِّمَ لِرَبِّ الْعَالَمِينَ ﴿۲۶﴾ هُوَ

और मुझे हुकम है के मैं रब्बुल आलमीन का इरमांवरदार रहूँ. वही

الَّذِي خَلَقَكُمْ مِنْ تُرَابٍ ثُمَّ مِنْ نُطْفَةٍ ثُمَّ مِنْ

अवलाह है जिस ने तुम्हें पैदा किया मिट्टी से, फिर नुत्ते से, फिर जमे

عَلَقَةٍ ثُمَّ يُخْرِجُكُمْ طِفْلًا ثُمَّ لِتَبْلُغُوا أَشَدَّكُمْ

डूबे भून से, फिर तुम्हें वो बरखा बना कर निकालता है, फिर (तुम को जिन्दा रखता है) ताके तुम अपनी जवानी को पछोचो,

ثُمَّ لِتَكُونُوا شُيُوخًا ۚ وَمِنْكُمْ مَّنْ يَتَوَقَّىٰ مِنْ قَبْلُ

फिर (तुम को और जिन्दा रखता है) ताके तुम बूढ़े हो जाओ. और तुम मेसे भाओ को वक़्त दी जाती है उस से पेडले

وَلِتَبْلُغُوا أَجَلَٰ مُسَمًّى ۖ وَلَعَلَّكُمْ تَعْقِلُونَ ﴿۳۶﴾ هُوَ

और ताके तुम मुकरर की डूई आभिरी मुदत को पछोचो, और ताके तुम अकल से काम लो. वही

الَّذِي يُحْيِي وَيُمِيتُ ۚ فَإِذَا قَضَىٰ أَمْرًا فَإِنَّمَا يَقُولُ

अल्लाह है जो जिन्दा रखता है और मौत देता है. फिर जब वो किसी मुआमले का फैसला करता है, तो सिर्फ उस से केडता है

لَهُ كُنْ فَيَكُونُ ﴿۳۷﴾ أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ يُجَادِلُونَ

के हो जा, तो वो हो जाता है. क्या आप ने देखा नहीं उन लोगों को जो अल्लाह की

فِي آيَةِ اللَّهِ ۗ أَنَّىٰ يُصْرَفُونَ ﴿۳۸﴾ الَّذِينَ كَذَّبُوا

आयात में जघडा करते हैं? वो कहां फिरे जा रहे हैं? जिन्हों ने किताब को

بِالْكِتَابِ وَبِمَا أَرْسَلْنَا بِهِ رُسُلَنَا فَسَوْفَ يَعْلَمُونَ ﴿۳۹﴾

और उस को भी जुठलाया जिस को दे कर हम ने अपने पैगम्बरों को भेजा. फिर अनकरीब उन्हें मादूम हो जायेगा.

إِذِ الرِّعْلُ فِي أَعْنَاقِهِمْ وَالسَّلْسِلُ يُسْحَبُونَ ﴿۴۰﴾

जब के तौक और जंजोरें उन की गर्दनों में डोंगी. उन को गर्म पानी

فِي الْحَمِيمِ ۖ ثُمَّ فِي النَّارِ يُسْجَرُونَ ﴿۴۱﴾ ثُمَّ قِيلَ

में घसीटा जायेगा. फिर आग में जौक दिये जायेंगे. फिर उन से पूछा

لَهُمْ آيِنَ مَا كُنْتُمْ تُشْرِكُونَ ﴿۴۲﴾ مِنْ دُونِ اللَّهِ ۗ قَالُوا

जायेगा के कहां हैं वो जिन को अल्लाह के सिवा तुम शरीक ठेहराते थे? वो बोलेगे के

صَلُّوا عَنَّا بَلْ لَمْ نَكُنْ نَدْعُوا مِنْ قَبْلُ شَيْئًا ۗ

वो हम से भो गये, बल्के उस से पेडले किसी चीज को हम पुकारते नहीं थे.

كَذَلِكَ يُضِلُّ اللَّهُ الْكٰفِرِينَ ﴿۴۳﴾ ذٰلِكُمْ بِمَا كُنْتُمْ

ईसी तरह अल्लाह काफ़िरो को गुमराह करेगे. ये सजा इस वजह से है के

تَفْرَحُونَ فِي الْمَرَضِ بِغَيْرِ الْحَقِّ وَبِمَا كُنْتُمْ

जमीन में नाइक तुम ईतराते थे और इस दिये के तुम

۳۶  
=

تَمْرَحُونَ ۞ ادْخُلُوا ابْوَابَ جَهَنَّمَ خَالِدِينَ

अकसते थे. जहन्नम के दरवाजों में तुम दाखिल हो जाओ, उस में हमेशा

فِيهَا ۖ فَبِئْسَ مَثْوَى السَّكَرِيِّنَ ۝ فَاصْبِرْ

रेहने के लिये. ये तक़भुर करने वालों का भुरा ठिकाना है. इस लिये आप सभ्र कीजिये,

إِنَّ وَعْدَ اللَّهِ حَقٌّ ۖ فَمَا نُصِيبَكَ بِعُضِّ الذِّئْبِ

यकीनन अल्लाह का वादा सय्या है. फिर अगर आप को हम दिभा दे उस अजाब का कुछ डिस्सा जिस से हम उन्हे

نَعْدُهُمْ أَوْ نَتَوَقَّيْتِكَ ۖ فَالَيْنَا يُرْجَعُونَ ۝ وَلَقَدْ

उरा रहे हैं या हम आप को वफ़ात दे दे, तब भी वो हमारी तरफ़ लौटाये जायेंगे. और

أَرْسَلْنَا رَسُولًا مِّنْ قَبْلِكَ مِنْهُمْ مَّنْ قَصَصْنَا

हम ने आप से पेहले भी पैगम्बर भेजे, उन में से भाज के किस्से हम ने आप के सामने भयान

عَلَيْكَ وَ مِنْهُمْ مَّنْ لَّمْ نَقْصُصْ عَلَيْكَ ۖ وَمَا كَانَ

क्रिये हैं और उन में से भाज वो हैं जिन के किस्से हम ने आप के सामने भयान नहीं किये. और किसी

لِرَسُولٍ أَنْ يَأْتِيَ بِآيَةٍ إِلَّا بِإِذْنِ اللَّهِ ۖ فَإِذَا جَاءَ

पैगम्बर की ये ताकत नहीं थी के वो कोछ मोअजिजा ले आये मगर अल्लाह की इजाजत से. फिर जब अल्लाह

أَمْرُ اللَّهِ قُضِيَ بِالْحَقِّ وَخَسِرَ هُنَالِكَ الْبَاطِلُونَ ۝

का हुकम आया तो उक के साथ झैसला कर दिया गया और वहां पर अहले बातिल भसारे में रहे.

اللَّهُ الَّذِي جَعَلَ لَكُمْ الْأَنْعَامَ لِتَرْكَبُوا مِنْهَا

अल्लाह ही है जिस ने तुम्हारे लिये यौपाये बनाये ताके तुम उन में से भाज पर सवारी करो

وَ مِنْهَا تَأْكُلُونَ ۝ وَلَكُمْ فِيهَا مَنَافِعُ وَلِتَبْلُغُوا

और उन में से भाज को तुम भाते हो. और तुम्हारे लिये उन में और भी मनाइअ हैं और ताके

عَلَيْهَا حَاجَةً فِي صُدُورِكُمْ وَ عَلَيْهَا وَعَلَى الْفُلْكِ

उन पर सवार हो कर तुम अपने दिलों की ढाजत तक पडोय जाओ और उन यौपाओ पर और कशतियों पर तुम्हे सवार

تَحْمَلُونَ ۝ وَ يُرِيكُمْ آيَاتِهِ ۖ فَآيَ آيَاتِ اللَّهِ

कराया जाता है. और अल्लाह तुम्हे अपनी निशानियां दिभाता है. फिर अल्लाह की निशानियों में से किस किस

تُنْكِرُونَ ۝ أَفَلَمْ يَسِيرُوا فِي الْأَرْضِ فَيَنْظُرُوا

निशानी का तुम इन्कार करोगे? क्या वो जमीन में यले झिरे नहीं के देभते

۱۴

كَيْفَ كَانَ عَاقِبَةُ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ ۖ كَانُوا أَكْثَرَ

के उन लोगों का अन्तिम कैसा हुआ जो उन से पहले थे? जो तादाद में उन से ज्यादा थे

مِنْهُمْ وَأَشَدَّ قُوَّةً وَأَثَارًا فِي الْأَرْضِ فَمَا أَعْنَى

और कुव्वत में उन से मजबूत थे और उनको ने जमीन में निशानात भी सब से ज्यादा (छोड़े), फिर

عَنْهُمْ مَا كَانُوا يَكْسِبُونَ ﴿۸۳﴾ فَلَمَّا جَاءَتْهُمْ

भी उन के कुछ काम नहीं आई उन की कमाई. फिर जब उन के पास उन के

رُسُلُهُمْ بِالْبَيِّنَاتِ فَرِحُوا بِمَا عِنْدَهُمْ مِنَ الْعِلْمِ

पैगम्बर रोशन मोअजिजात ले कर आये तो वो धतराने लगे उस धल्म पर जो उन के पास था,

وَحَاقَ بِهِمْ مَا كَانُوا بِهِ يَسْتَهْزِءُونَ ﴿۸۴﴾ فَلَمَّا رَأَوْا

और उन को घेर लिया उस अजाब ने जिस का वो मजाक उड़ाया करते थे. फिर जब उनको ने हमारा अजाब

بِأَسْنَاءِ قَالُوا 'أَمَّا بِاللَّهِ وَحَدَاةً وَكَفْرًا بِمَا كُنَّا بِهِ

हैमा तो भोल उठे के हम यकता अल्लाह पर धमान ले आये, और हम ने कुफ्र किया उस के साथ जिस को हम शरीक

مُشْرِكِينَ ﴿۸۵﴾ فَلَمْ يَكُ يَنْفَعُهُمْ إِيَّانَهُمْ لَبًّا رَأَوْا

ठेहराते थे. तो उन को उन का धमान लाना नाईअ नहीं हुआ जब उनको ने हमारा

بِأَسْنَاءِ ۖ سُنَّتَ اللَّهِ الَّتِي قَدْ خَلَتْ فِي عِبَادِهِ ۗ

अजाब हैमा लिया. यही अल्लाह की सुन्नत है जो उस के बन्दों में पहले रही है.

وَوَخَسِرَ هُنَالِكَ الْكٰفِرُونَ ﴿۸۶﴾

और उस जगा काफिर भसारे में रहे.

رُكُوعَاتِهَا ۶

(۲۱) سُورَةُ السَّجْدَةِ الْمَكِّيَّةُ (۶۱)

آيَاتُهَا ۵۳

और ६ रुकूअ हैं

सूरअे डा भीम सजदा मक्का में नाजिल हुई

उस में ५४ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

حَمِّ ۝ تَنْزِيلٌ مِنَ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝ كِتَابٌ

डा भीम. धस का उतारा जाना बडे मेहरबान, निहायत रहम वाले अल्लाह की तरफ से है. ये किताब है

فُصِّلَتْ آيَاتُهُ قُرْآنًا عَرَبِيًّا لِّعَلَّكُمْ تَعْلَمُونَ ۝

जिस की आयतें तफसील से बयान की गई हैं जो अरबी ज्बान वाला कुर्आन है ऐसी क्रौम के लिये जो धल्म रभती है.

بِشِيرًا وَنَذِيرًا ۖ فَأَعْرَضَ أَكْثَرُهُمْ فَهُمْ لَا يَسْمَعُونَ ﴿۴۱﴾

बशारत सुनाने वाली और डराने वाली है। फिर उन में से अकसर ने औराज किया, फिर वो नहीं सुनते।

وَقَالُوا قُلُوبُنَا فِيْ اَكْثَرِ مِمَّا تَدْعُونَا اِلَيْهِ

और कहते हैं के हमारे दिल परदे में हैं उस से जिस की तरफ़ तुम हमें बुलाते हो,

وَفِيْ اٰذَانِنَا وَقْرٌ وَمِنْ بَيْنِنَا وَبَيْنِكَ حِجَابٌ

और हमारे कानों में ऽट है, और हमारे और तुम्हारे दरमियान छिजाब है,

فَاعْمَلْ اِنَّنَا عَمِلُونَ ﴿۴۲﴾ قُلْ اِنَّمَا اَنَا بَشَرٌ مِّثْلُكُمْ

तो तुम अपना काम करो, हम अपना काम करेंगे। आप इरमा दीजिये के मैं भी बशर हूँ जैसे तुम,

يُوْحَىٰ اِلَىٰ اِنَّمَا اِلَهُكُمْ اِلٰهُ وَّاحِدٌ فَاسْتَقِيْمُوْا

मेरी तरफ़ वही की जाती है के तुम्हारा माबूह यकता माबूह है, तो उसी की तरफ़

اِلَيْهِ وَاَسْتَغْفِرُوْهُ ۗ وَوَيْلٌ لِّلْمُشْرِكِيْنَ ﴿۴۳﴾

मुतवज्जेह रहो और उसी से मगफिरत मांगो। और मुशरिकीन के लिये उलाकत है।

الَّذِيْنَ لَا يُؤْتُونَ الزَّكٰوٰةَ وَهُمْ بِالْاٰخِرَةِ هُمْ

जो जकात नहीं देते और आभिरत के भी

كٰفِرُونَ ﴿۴۴﴾ اِنَّ الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا وَعَمِلُوا الصّٰلِحٰتِ

मुन्किर हैं। यकीनन जो लोग ईमान लाये और नेक अमल करते रहे

لَهُمْ اَجْرٌ غَيْرٌ مِّمَّنْوْنَ ﴿۴۵﴾ قُلْ اَيْنَكُمْ لَتَكْفُرُوْنَ

उन के लिये सवाब है जो कभी भत्म न होगा। आप इरमा दीजिये क्या तुम कुफ़ करते हो

بِالَّذِيْ خَلَقَ الْاَرْضَ فِيْ يَوْمَيْنِ وَتَجْعَلُوْنَ

उस अद्लाह के साथ जिस ने जमीन पैदा की दो दिन में और उस के लिये

لَهُ اَنْدَادًا ۗ ذٰلِكَ رَبُّ الْعٰلَمِيْنَ ﴿۴۶﴾ وَجَعَلَ فِيْهَا

तुम शरीक बनाते हो। वो तमाम जहानों का रब है। और उसी ने जमीन में

رَوٰسِيٍّ مِّنْ فَوْقِهَا وَبَرَكَ فِيْهَا وَقَدَّرَ فِيْهَا

उस के उपर से पहाड रभ दिये और उस के अन्दर भरकते रभी हैं और जमीन में जमीन वालों

اَقْوَامَهَا فِيْ اَرْبَعَةِ اَيَّامٍ ۗ سَوَآءٌ لِّلسَّٰبِلِيْنَ ﴿۴۷﴾

की खाने की चीजों मिकदारे मुअय्यन के साथ रभ हीं चार दिन में। पूछने वालों का (जवाब) पूरा हुवा।



ثُمَّ اسْتَوَىٰ إِلَى السَّمَاءِ وَهِيَ دُخَانٌ فَقَالَ

झिर वो आस्मान की तरफ़ मुतवज्जुहल हुवा ँस डल में के वो धुवां था, तो उस ने

لَهَا وَلِلْأَرْضِ ائْتِيَا طَوْعًا أَوْ كَرْهًا ۖ قَالَتَا

आस्मान से और जमीन से कडल के तुम दोनों आओ ढुशी से या मजबूरी से. दोनों ने कडल के

أَتَيْنَا طَائِعِينَ ۝ فَقَضَيْنَ سَبْعَ سَمَوَاتٍ

डम ढुशी से आते हैं. झिर अद्लाड ने उन को सात आस्मान बनाने का झैसला किया

فِي يَوْمَيْنِ وَأَوْحَىٰ فِي كُلِّ سَمَاءٍ أَمْرَهَا ۖ

दो दिन में, और डर आस्मान में उस का हुकम दे दिया.

وَ زَيْنًا السَّمَاءِ الدُّنْيَا بِصَابِیحٍ ۖ وَحِفْظًا ۖ

और डम ने आस्माने दुन्या को मुजय्यन किया थिरागों से और डिक्रजत के ढातिर.

ذَٰلِكَ تَقْدِيرُ الْعَزِيزِ الْعَلِيمِ ۝ فَإِنْ أَعْرَضُوا

ये जभरदस्त, ँडम वाले अद्लाड की मुतअय्यन की हुँड भिकदार है. झिर अगर वो अैराज करें

فَقُلْ أَنْذَرْتُكُمْ طَعِقَةً مِّثْلَ طَعِقَةِ عَادٍ

तो आप झरमा दीजिये के मैं तुम्हें डराता हुं अैसे अजलभ से जो कौमे आद व कौमे समूह के अजलभ

وَتَمُودَ ۖ إِذْ جَاءَتْهُمْ الرُّسُلُ مِنْ بَيْنِ أَيْدِيهِمْ

जैसा डोगा. जलभ उन के ढास ढैगम्बर आओ उन के सामने से

وَمِنْ خَلْفِهِمْ إِلَّا تَعْبُدُوا إِلَّا اللَّهَ ۖ قَالُوا لَوْ شَاءَ

और उन के ढीछे से के तुम ँढादत मत करो मगर अद्लाड डी की. तो ढोले के अगर डमारा

رَبِّنَا لَأَنْزَلَ مَلَائِكَةً فَأِنَّا بِمَا أُرْسِلْتُمْ بِهِ

रलभ थलडता तो झरिशतों को डतारता. यकीनन डम उस दिन के साथ ली कुङ करते हैं जिसे दे कर तुम

كُفْرُونَ ۝ فَأَمَّا عَادُ فَاسْتَكْبَرُوا فِي الْأَرْضِ بِغَيْرِ

भेजे गओ डो. अलभत्ता कौमे आद तो उस ने जमीन में नलडक

الْحَقِّ وَقَالُوا مَنْ أَشَدُّ مِنَّا قُوَّةً ۖ أَوَلَمْ يَرَوْا

तकढ्भुर किया, और उनडों ने कडल के डम से कौन जयादा कुव्वत वाला है? क्या उनडों ने देढा नडीं

أَنَّ اللَّهَ الَّذِي خَلَقَهُمْ هُوَ أَشَدُّ مِنْهُمْ قُوَّةً ۖ وَكَانُوا

के जिस अद्लाड ने उनडें ढैदा किया है, वो उन से ली जयादा कुव्वत वाला है. और वो

بِآيَاتِنَا يَجْحَدُونَ ﴿٥﴾ فَأَرْسَلْنَا عَلَيْهِمْ رِيًّا صَرَصًّا

उमारी आयतों का ई-कार करते थे. फिर उम ने उन पर सई तूफानी उवा

فِي أَيَّامٍ تَحْسَبُ لِنُذِيقَهُمْ عَذَابَ الْخِزْيِ

म-डूस दिनों में भेज ताके उ-हें दु-यवी जि-हगी में

فِي الْحَيَاةِ الدُّنْيَا وَلِعَذَابِ الْآخِرَةِ أَخْزَى

जिदलत का अजाब उम यभाअ. और आभिरत का अजाब तो और जयादा दुस्वाई वाला है

وَهُمْ لَا يُنصَرُونَ ﴿٦﴾ وَأَمَّا ثَمُودُ فَهَدَيْنَاهُمْ فَاسْتَحَبُّوا

और उन की नुस्सत भी नहीं की जअगे. और जो क्रेमे समूह थी, तो उम ने उन को रास्ता भतलाया, फिर उ-हों ने

الْعَمَى عَلَى الْهُدَى فَأَخَذْتَهُمْ طَعْنَةً الْعَذَابِ

अ-धा रेउने को डिहायत के मुकाबले में पस-ह किया, फिर उ-हें उन के करतूत की वजह से

الْهُونِ بِمَا كَانُوا يَكْسِبُونَ ﴿٧﴾ وَنَجَّيْنَا الَّذِينَ

जिदलत वाले अजाब की कसक ने पकस लिया. और उम ने भया लिया उन को जो

أَمَنُوا وَكَانُوا يَتَّقُونَ ﴿٨﴾ وَيَوْمَ يُحْشَرُ أَعْدَاءُ اللَّهِ

ईमान लाअे थे और मुत्तकी थे. और जिस दिन अद्लाउ के दुशमन दोजभ की तरफ़ ईकट्टे किये

إِلَى النَّارِ فَهُمْ يُوزَعُونَ ﴿٩﴾ حَتَّىٰ إِذَا مَا جَاءُوهَا

जअंगे, फिर उ-हें (जमाअतों में) तकसीम किया जअगा. यहां तक के जभ वो दोजभ के पास पडोंयेंगे

شَهِدَ عَلَيْهِمْ سَمْعُهُمْ وَ أَبْصَارُهُمْ وَ جُلُودُهُمْ

तो उन के भिलाइ गवाडी हेंगे उन के कान और उन की आंभें और उन की ञालें

بِمَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ﴿١٠﴾ وَقَالُوا لِمَ لِمَ شَهِدْتُمْ

उन आमाल की जो वो करते थे. और वो अपनी ञालों से कडेंगे के तुम ने उमारे भिलाइ गवाडी

عَلَيْنَا قَالُوا أَنْطَقَنَا اللَّهُ الَّذِي أَنْطَقَ كُلَّ شَيْءٍ

कयूं ही? वो कडेंगी के उम से भुलवाया उस अद्लाउ ने जिस ने उर चीज को गोयाई ही है

وَهُوَ خَلَقَكُمْ أَوَّلَ مَرَّةٍ وَإِلَيْهِ تُرْجَعُونَ ﴿١١﴾

और उसी ने तुम्हें पेडली मरतभा पैदा किया और उसी की तरफ़ तुम लौटाअे जअोगे.

وَمَا كُنْتُمْ تَسْتَتِرُونَ أَنْ يَشْهَدَ عَلَيْكُمْ سَمْعُكُمْ وَلَا

और तुम छुपा नहीं सकते थे के तुम्हारे भिलाइ गवाडी हें तुम्हारे कान और

أَبْصَارَكُمْ وَلَا جُلُودَكُمْ وَلَكِنْ ظَنَنْتُمْ أَنَّ اللَّهَ

तुम्हारी आंखों और तुम्हारी जादों, लेकिन तुम ने गुमान किया था के अल्लाह

لَا يَعْلَمُ كَثِيرًا مِّمَّا تَعْمَلُونَ ﴿۲۳﴾ وَذَلِكُمْ ظَنُّكُمُ الَّذِي

नहीं जानता बहुत से आमाज जो तुम करते हो. और यही तुम्हारा गुमान था जो

ظَنَنْتُمْ بِرَبِّكُمْ أَرْدَكُمْ فَأَصْبَحْتُم مِّنَ الْخَاسِرِينَ ﴿۲۴﴾

तुम ने अपने रब के साथ रबा जिस ने तुम्हें उलाक कर दिया, फिर तुम भसारा उठाने वालों में से बन गये.

فَإِنْ يَصْبِرُوا فَالنَّارُ مَثْوَىٰ لَهُمْ ۗ وَإِنْ يَسْتَعْتَبُوا

फिर अगर वो सध करे तो होजभ उन का ठिकाना है. और अगर वो माझी मांगना चाहे

فَمَا هُمْ مِنَ الْمُعْتَبِينَ ﴿۲۵﴾ وَقَيَّضْنَا لَهُمْ قُرَنَاءَ

तो उन से माझी कबूल नहीं की जायेगी. और हम ने उन के लिये करीन मुतअय्यन किये हैं,

فَرَيْنُوا لَهُمْ مَّا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ وَمَا خَلْفَهُمْ

फिर उनहों ने उन के लिये मुअय्यन किया है जो कुछ उन के आगे और उन के पीछे है,

وَحَقَّقَ عَلَيْهِمُ الْقَوْلُ فِي أُمِّ قَدِ خَلَّتْ مِنْ قَبْلِهِمْ

और कौल साबित हो गया उन पर भअ उन उम्मतों के जो उन से पेखले गुजर चुकी हैं

مِّنَ الْجِنَّ وَالْإِنْسِ ۗ إِنَّهُمْ كَانُوا خَاسِرِينَ ﴿۲۶﴾

जिन्नात और इंसानों की. यकीनन वो भसारे वाले हैं.

وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا لَا تَسْمَعُوا لِهَذَا الْقُرْآنِ

और काफ़िरो ने कहा के तुम इस कुआन की तरफ़ कान मत लगाओ

وَالغُوا فِيهِ لَعَلَّكُمْ تَغْلِبُونَ ﴿۲۷﴾ فَلَنُذِيقَنَّ الَّذِينَ

और उस के भीय में शोर करो, शायद तुम गालिब रहो. फिर उन काफ़िरो को हम

كَفَرُوا عَذَابًا شَدِيدًا ۖ وَلَنَجْزِيَنَّهُمْ أَسْوَأَ الَّذِي

जूरर सभ्त अजाब यभायेंगे. और हम उनहें जूरर सजा देंगे

كَانُوا يَعْمَلُونَ ﴿۲۸﴾ ذَلِكَ جَزَاءُ أَعْدَاءِ اللَّهِ النَّارُ

उन के भुरे आमाज की. ये होजभ अल्लाह के दुशमनों की सजा है.

لَهُمْ فِيهَا دَارُ الْخُلْدِ ۗ جَزَاءُ ۖ بِمَا كَانُوا بِآيَاتِنَا

उन का उसी में हमेशा का घर है. उस की सजा में के वो हमारी आयतों का इन्कार

يَجْحَدُونَ ﴿۱۸﴾ وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا رَبَّنَا أَرِنَا

करते थे. और काफ़िर कहेंगे अरे हमारे रब! तू हमें दिखा

الَّذِينَ أَضَلَّنَا مِنَ الْجِنِّ وَالْإِنْسِ نَجْعَلُهَا تَحْتِ

वो जिन्नात और इन्सान जिन्नों ने हमें गुमराह किया के हम उन्हें हमारे पैरों के

أَقْدَامِنَا لِيَكُونَا مِنَ الْأَسْفَلِينَ ﴿۱۹﴾ إِنَّ الَّذِينَ

नीचे डाल दें ताके वो सब से ज्यादा नीचे वालों में से हो जायें. तलकीक के जिन्नों ने

قَالُوا رَبَّنَا اللَّهُ ثُمَّ اسْتَقَامُوا تَتَنَزَّلُ عَلَيْهِمُ الْمَلَائِكَةُ

कहा के हमारा रब अल्लाह है, फिर उसी पर कायम रहे उन पर इरिशते उतरते हैं (कहते हुवे के)

إِلَّا تَخَافُوا وَلَا تَحْزَنُوا وَأَبْشِرُوا بِالْجَنَّةِ الَّتِي

तुम भौंके न करो और गम न करो और बशारत सुन लो उस जन्नत की जिस का

كُنْتُمْ تُوْعَدُونَ ﴿۲۰﴾ نَحْنُ أَوْلِيَائِكُمْ فِي الْحَيَاةِ

तुम से वादा किया जाता था. हम तुम्हारे साथी हैं दुनिया

الدُّنْيَا وَفِي الْآخِرَةِ ۗ وَلَكُمْ فِيهَا مَا تَشْتَهَى

और आभिरत में. और तुम्हारे लिये आभिरत में वो नेअमते होंगी जो तुम्हारे जो

أَنْفُسِكُمْ وَلَكُمْ فِيهَا مَا تَدْعُونَ ﴿۲۱﴾ نَزَّلْنَا مِنْ غَمُوقٍ

याहेंगे और तुम्हारे लिये उस में वो नेअमते होंगी जो तुम मांगोगे. बहुत ज्यादा मगफ़िरत करने वाले, निहायत

رَّحِيمٍ ﴿۲۲﴾ وَمَنْ أَحْسَنُ قَوْلًا مِّمَّنْ دَعَا إِلَى اللَّهِ

रहम वाले अल्लाह की तरफ़ से मेहमानी है. और उस से ज्यादा अच्छी बात वाला कौन हो सकता है जो अल्लाह की तरफ़ बुलाये

وَعَمَلٍ صَالِحًا وَقَالَ إِنِّي مِنَ الْمُسْلِمِينَ ﴿۲۳﴾ وَلَا تَسْتَوِي

और नेक अमल करे और कहे के मैं मुसलमानो में से हूँ. और भलाई

الْحَسَنَةُ وَلَا السَّيِّئَةُ ۗ إِدْفَعْ بِالَّتِي هِيَ أَحْسَنُ

और भुराई बराबर नहीं हो सकती. दफ़ा कीजिये उस के जरिये जो बेहतर हो,

فَإِذَا الدِّمَىٰ بَيْنَكَ وَبَيْنَهُ عَدَاوَةٌ كَأَنَّهُ وَلِيٌّ

तो झैरन वो शप्स के आप के और उस के दरमियान अदावत थी, वो ऐसा हो जायेगा गोया के वो पक्का

حَمِيمٌ ﴿۲۴﴾ وَمَا يُلْقَاهَا إِلَّا الَّذِينَ صَبَرُوا ۗ وَمَا

दोस्त है. और ये भरतबा सिर्फ़ सभ्र करने वालों ही को दिया जाता है. और

يُلْقِمَهَا إِلَّا دُوَّ حَظِّ عَظِيمٍ ﴿۳۵﴾ وَأَمَّا يَنْزِعَنَّكَ

वही उस को पाते हैं जो बडे नसीब वाले हैं. और अगर आप को शयतान की तरफ़

مِنَ الشَّيْطَانِ نَزَعٌ فَاسْتَعِذْ بِاللَّهِ ۖ إِنَّهُ هُوَ السَّمِيعُ

से कोई वसवसा आये तो अल्लाह की पनाह मांगिये. यकीनन वो सुनने वाला,

الْعَلِيمُ ﴿۳۶﴾ وَمِنْ آيَاتِهِ اللَّيْلُ وَالنَّهَارُ وَالشَّمْسُ

ईल्म वाला है. और अल्लाह की निशानियों में से रात और दिन हैं और सूरज

وَالْقَمَرُ ۚ لَا تَسْجُدُوا لِلشَّمْسِ وَلَا لِلْقَمَرِ وَاسْجُدُوا

और चाँद हैं. सूरज और चाँद को सजदा मत करो, और सजदा करो

لِلَّهِ الَّذِي خَلَقَهُنَّ إِن كُنتُمْ إِيَّاهُ تَعْبُدُونَ ﴿۳۷﴾

उस अल्लाह को जिस ने उन्हें पैदा किया अगर तुम उसी की ईबादत करते हो.

فَإِنِ اسْتَكْبَرُوا فَالَّذِينَ عِنْدَ رَبِّكَ يُسَبِّحُونَ

झिर अगर वो तकबुर करे, तो यकीनन वो इरिशते जो तेरे रब के पास हैं वो उस की तस्बीह करते

لَهُ بِاللَّيْلِ وَالنَّهَارِ وَهُمْ لَا يَسْأَمُونَ ﴿۳۸﴾ وَمِنْ آيَاتِهِ

रेहते हैं रात और दिन में और वो उकताते नहीं. और अल्लाह की निशानियों में से

أَنَّكَ تَرَى الْأَرْضَ خَاشِعَةً فَإِذَا أَنْزَلْنَا عَلَيْهَا

ये है के तू जमीन को भुशक देभेगा, झिर जब हम उस के उपर पानी भरसाते

الْمَاءِ اهْتَرَّتْ وَرَبَّتْ ۖ إِنَّ الَّذِي أَحْيَاهَا لَمُبْحِي

हैतो वो डिलने लगती है और उभर आती है. यकीनन वो अल्लाह जिस ने जमीन को जिन्दा किया वो जरूर मुरदों को जिन्दा करने

الْمَوْتَى ۖ إِنَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿۳۹﴾ إِنَّ الَّذِينَ

वाला है. यकीनन वो हर चीज पर कुदरत वाला है. जो

يُلْحِدُونَ فِي آيَاتِنَا لَا يَخْفُونَ عَلَيْنَا ۖ أَفَمَنْ

हमारी आयतों में ईल्हाह करते हैं वो हम पर मन्ही नहीं हैं. क्या झिर वो

يُلْقَىٰ فِي النَّارِ خَيْرٌ أَمْ مَن يَأْتِيَ آمِنًا يَوْمَ الْقِيَامَةِ ۖ

जो आग में डाला जायेगा वो बेहतर है या वो जो बेभौक हो कर कयामत के दिन आयेगा?

اعْمَلُوا مَا شِئْتُمْ ۖ إِنَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ ﴿۴۰﴾ إِنَّ

जो याहो कर लो. बेशक वो तुम्हारे आमाद को भूष देभ रहा है. जिन

الَّذِينَ كَفَرُوا بِالذِّكْرِ لَمَّا جَاءَهُمْ ۗ وَإِنَّهُ لَكِتَابٌ

लोगों ने इस कुर्आन के साथ कुछ किया जब के वो उन के पास आया. और ये तो मुअज्जल

عَزِيزٌ ۝ لَا يَأْتِيهِ الْبَاطِلُ مِنْ بَيْنِ يَدَيْهِ

किताब है. उस में न उस के आगे से बातिल आ सकता है और न उस के

وَلَا مِنْ خَلْفِهِ ۖ تَنْزِيلٌ مِّنْ حَكِيمٍ حَمِيدٍ ۝ مَا يُقَالُ

पीछे से. छिकमत वाले, काबिले तारीफ़ अल्लाह की तरफ़ से उतारी गई है. आप से वही

لَكَ إِلَّا مَا قَدْ قِيلَ لِلرُّسُلِ مِنْ قَبْلِكَ ۖ إِنَّ رَبَّكَ

कहा जाता है जो आप से पहले पैगम्बरों से कहा गया. बेशक आप का रब

لَدُوٍّ مَّغْفِرَةٌ ۖ وَذُو عِقَابٍ أَلِيمٍ ۝ وَلَوْ جَعَلْنَاهُ قُرْآنًا

माफ़ करने वाला भी है और अलमनाक सजा देने वाला भी है. और अगर हम इस को अजमी कुर्आन

أَعْجَبِيًّا لَقَالُوا لَوْلَا فُصِّلَتْ آيَاتُهُ ۖ ءَأَعْجَمِيٌّ

बनाते तो जरूर ये केसते के उस की आयतें तफ़सील से बयान क्यून नहीं की गई? क्या ये (कुर्आन) तो अजमी

وَعَرَبِيٌّ ۖ قُلْ هُوَ لِلَّذِينَ آمَنُوا هُدًى وَشَفَاءٌ ۖ

और (नबी) अरबी? आप इरमा दीजिये के ये कुर्आन ईमान वालों के लिये छिदायत और शिफ़ा है.

وَالَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ فِي آذَانِهِمْ وَقُرْ ۖ وَهُوَ عَلَيْهِمْ

और जो ईमान नहीं लाते उन के कानों में डाट है, और ये कुर्आन उन पर

عَمًى ۖ أُولَٰئِكَ يُنَادَوْنَ مِنْ مَّكَانٍ بَعِيدٍ ۝

अन्धापा है. उन को पुकारा जाता है दूर जगा से.

وَلَقَدْ آتَيْنَا مُوسَى الْكِتَابَ فَاخْتَلَفَ فِيهِ ۖ

हम ने छी मूसा (अलैडिस्सलाम) को किताब दी थी, फिर उस में छिन्तलाफ़ किया गया.

وَلَوْلَا كَلِمَةٌ سَبَقَتْ مِنْ رَبِّكَ لَقَضَىٰ بِئِنَّهُمْ ۖ وَإِنَّهُمْ

और अगर अक कलिमा तेरे रब की तरफ़ से पहले से न छोता तो उन के दरमियान इसला कर दिया जाता. और ये लोग

لَفِي شَكٍّ مِّنْهُ مُرِيبٍ ۝ مَنْ عَمِلَ صَالِحًا فَلِنَفْسِهِ ۖ

उस की तरफ़ से बछोत भडे शक में छै. जिस ने भला काम किया तो अपनी छी जात के लिये.

وَمَنْ أَسَاءَ فَعَلِيَهَا ۖ وَمَا رَبُّكَ بِظَلَّامٍ لِّلْعَبِيدِ ۝

और जिस ने बुरा काम किया तो वबाल उसी पर छै. और तेरा रब बन्दों पर जरा भी जुल्म करने वाला नहीं.